द्वारि चक्रन्द भूपतेः N. 11. 20.: ताङ् क्रन्दमानाम् अत्यर्थम् कुररीम् इव वाशतीम्; RAM. I. 2. 17.: निशम्य क्रौञ्चीङ् क्रन्दन्तीम्. - क्रन्दितुं शरणम् auxilium maximâ voce petere. UR. 2. 6. (Goth. *grêta* ploro, cum *ê* (= *â*, v. gr. comp. 69.) pro *an*, sicut in *têka* = *tango* et *flêka* = *plango*; cf. क्लन्द्, quod e क्रन्द्, mutato र् in ल्, ortum esse puto.)

c. आ *id.* N. 11. 26.: आक्रन्दमानां संश्रुत्य.

क्रन्दन *n.* (r. क्रन्द् s. अन) lamentatio, lugubris clamor. HIT. 98. 19. 21.

क्रप् 1. *P.* (ex कर्प् transposito *ar* in *ra*) i. q. कृप्.

1. क्रम् 1. *P.* interdum *A.* (vocalis radicalis in temporibus specialibus *Parasmaipadi*, nec non in part. in त et gerund. in त्वा producitur, in *Atmanêpado*, quod in compositione cum अति, आ, प्र et वि invenitur, vocalis brevis retinetur; *Caus.* क्रमयामि, gr. 517.) ire, incedere, ambulare, pervenire. RAGH. 1. 14.: उर्वीङ् क्रान्त्वा in terram profectus. (Schol. Calc. = पृथिवीम् आक्रम्य.) *Intens.* चङ्क्रम्य् (gr. 569.) *id.* MAH. 1. 716.: ततः सो ऽन्धो ऽपि चङ्क्रम्यमाणः कूपे पपात. (Fortasse lat. *gra-dus, gra-dior* huc pertinent, mutatâ tenui in mediam et ejectâ nasali; etiam *gran-dis* huc trahi posset, cf. उत्क्रम् surgere, et विक्रान्त fortis. Huc etiam trahi posset goth. *hlaupa* curro, germ. vet. *hlaufu, hloufu,* et abjectâ initiali, *laufu, loufu,* mutatâ labiali nasali in mutam ejusdem organi, sicut lith. *dewyni* novem convenit cum नवन्, et gr. *βροτός* cum मृत *mortuus* (gr. comp. 317.); respiciatur etiam germ. vet. *fûst,* Th. *fûsti,* pugnus, quod Graffius apte confert cum मुष्टि; v. क्रम.)

c. अति transgredi, praeterire. N. 21. 25.: ग्रामान् बहून् अतिक्रम्य; BR. 1. 1.: अतिचक्राम सुमहान् कालः; RAM. III. 52. 34.: तवै 'व वचनम् वयम्। ना 'तिक्रामामहे सर्वे वेलाम् प्राप्ये 'व सागरः. - *C. ablat.* egredi, prodire. RAM I. 9. 11.: अतिचक्राम आश्रमात्; MAN. 9. 78.: स हि स्वाम्याद् अतिक्रामेत्. - अतिक्रान्तम् वयस् progressa aetas, grandis aetas. SA. 1. 4.

c. अति praef. अभि *id.* MAH. 1. 199.: अभ्यतिक्रम्य धर्मम्; RAM. III. 54. 26.: स्ववेश्माभ्यतिक्रम्य.

c. अति praef. वि *id.* काले बहुतिथे व्यतिक्रान्ते; RAM. Schl. II. 14. 29.: व्यतिचक्राम तत्र जनम्.

c. अति praef. सम् *id.* N. 9. 21.: अवन्तीम् ऋक्षवन्तञ्च समतिक्रम्य पर्वतम्; 2. 21.: रूपेण समतिक्रान्ता सर्वयोषितः.

c. अधि occupare, *e. c. sedem* (cf. क्रम् c. आ praef. सम्). IN. 2. 22.: पार्थः शक्रासनङ् गतः। अध्यक्रामद् अमेयात्मा द्वितीय इव वासवः.

c. अप discedere. N. 11. 1. DR. 4. 22. - Cum अप praef. वि *id.* RAM. III. 65. 56.: व्यपाक्रामत् स लक्ष्मणः.

c. अभि accedere. IN. 1. 41. - Praef. सम् (समभिक्रम्) *id.* N. 11. 27.

c. आ *P. A.* 1) aggredi, accedere, pervenire. HIT. 94. 13.: विजिगीषवो यथा परभूमिम् आक्रामन्ति तत् कथय; RAM. III. 71. 12.: स्नेहेना ऽऽक्रान्तहृदयः; IN. 1. 30.: ऊर्ध्वम् आचक्रमे; SU. 2. 16.: ना ऽऽक्रमन्त यदा शापा बाणा मुक्ताः शिलास्व् इव; RAGH. 5. 71.: यावत् तापनिधिर् आक्रमते न भानुः.

c. आ praef. सम् + उप *id.* RAM. I. 33. 21.: समुपाक्रान्ता दिशम् सोमवतीम्.

c. आ praef. निर् egredi, procedere. RAGH. 6. 81.

c. आ praef. सम् occupare (cf. क्रम् praef. अधि). RAGH. 4. 4.: समाक्रान्तम् तेन सिंहासनम् पित्र्यम् अखिलम्बा 'रिमण्डलम्.

c. उत् surgere, surgendo discedere, *praesertim de spiritu, animâ, e corpore discedente.* MAN. 1. 55.: तदो 'त्क्रामति मूर्तितः; 2. 120.: ऊर्ध्वम् प्राणा ह्युत्क्रामन्ति; RAGH. 7. 50.: परस्परेण क्षतयोः प्रहर्त्रोर् उत्क्रान्तवाय्वोः समकालम् एव. *De colore a vultu discedente,* RAGH. 16. 17.

c. उत् praef. वि relinquere. RAGH. 13. 72.: व्युत्क्रम्य लक्ष्मणम्.

c. उप *A.* incipere. IN. 1. 21.: तम् आप्रष्टुम् उपचक्रमे; H. 1. 23.: गमनायो 'पचक्रमे. - *Praef.* सम् *A. id.* RAM. III. 56. 38.: प्रष्टुं समुपचक्रमे.